

डॉ. डेविड श्राइनर, पॉन्डरिंग द स्पेड, सत्र 3, टेल डैन स्टील एंड द टेलर प्रिज्म, नैरो कन्वर्जेस

© 2024 डेविड श्राइनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड बी. श्राइनर हैं जो पॉन्डरिंग द स्पेड पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 3 है, डैन स्टील और टेलर प्रिज्म, नैरो कन्वर्जेस को बताएं।

ठीक है, अब हम व्याख्यान 3 में हैं और हम व्यापक अभिसरण से दूर जा रहे हैं, जिसके बारे में हमने तब बात की थी जब हमने मारी और गिलगमेश महाकाव्य के बारे में बात की थी।

लेकिन अब मैं कुछ संकीर्ण अभिसरणों के बारे में बात करना चाहता हूँ और मैं आपको टेल डैन, द टेल डैन स्टील और सन्हेरीब के एनल्स और उनके रॉयल रिकॉर्ड्स के माध्यम से कुछ संकीर्ण अभिसरण दिखाना शुरू करना चाहता हूँ। हम एक सेकंड में उस पर विचार करेंगे, लेकिन ये थोड़ा अलग होंगे क्योंकि ये हमें पुराने नियम के भीतर विशिष्ट बिंदुओं, विशिष्ट अनुच्छेदों, विशिष्ट चीजों तक ले जाएंगे। तो उम्मीद है, यदि आप अभी भी थोड़ा अस्पष्ट हैं, तो वास्तव में एक व्यापक अभिसरण क्या है, उम्मीद है कि संकीर्ण अभिसरण और विशेष रूप से इन दोनों पर चर्चा करके, हम लगभग एक फ़ॉइल के रूप में शुरू करेंगे, आप करना शुरू कर देंगे स्पष्ट करें कि वास्तव में संकीर्ण अभिसरण बनाम व्यापक अभिसरण क्या है।

तो फिर, हम टेल डैन स्टील और टेलर प्रिज्म के बारे में बात करने जा रहे हैं। यह वास्तव में हमें कुछ चर्चाओं में भी डाल देगा कि प्राचीन इतिहास लेखन, प्राचीन इतिहासलेखन की प्रकृति क्या है, जो एक साधारण प्रश्न की तरह लगता है, क्या इतिहास लेखन है? खैर, यह वास्तव में इतना आसान नहीं है। यह बहुत जटिल और बारीक है और हमें कुछ निश्चित बातें समझनी होंगी।

टेल डैन स्टील एक स्मारक के लिए एक फैंसी शब्द है, और टेल डैन स्टील 1993 और 1994 के खुदाई सीज़न के दौरान टेल डैन में पाया गया था, और यह एक अधूरा स्मारक है। हमारे पास अलग-अलग आकार के केवल तीन टुकड़े हैं, और कुल मिलाकर, यह आम तौर पर उतना बड़ा नहीं है। लेकिन जो कहा गया था, उसके कारण अंशों के इर्द-गिर्द चर्चा मजबूत है, और यह वास्तव में हुई, शायद खिरबेट क्रियाफ़ा पर चर्चा के बाद, जो कि हाल की स्मृति में है। टेल डैन स्टील पर यह चर्चा अद्भुत रही है।

कई मायनों में, यह आज भी जारी है, लेकिन इसमें काफी कमी आई है, लेकिन हाँ, हम इसमें शामिल होंगे। यह एक शिलालेख है, यह हिब्रू में नहीं लिखा गया है, यह पुराने अरामी भाषा में लिखा गया है, और यह एक शिलालेख है जो एक बहुत अच्छे बेसाल्ट पत्थर के स्मारक पर पाया गया है। टुकड़े स्पष्ट रूप से हमें दिखाते हैं कि पत्थर का स्मारक टूट गया है, और इनमें से प्रत्येक टुकड़ा वास्तव में जिसे हम द्वितीयक उपयोग कहते हैं, उसमें पाया गया था, जिसका अर्थ है कि इसका उपयोग किसी और चीज़ के रूप में किया गया था।

उनमें से दो फ़र्श के पत्थरों के रूप में पाए जाएंगे, एक और एक पत्थर के रूप में पाया जाएगा जो वस्तुतः एक बड़ी दीवार से चिपका हुआ होगा। इसलिए, स्मारक को एक अरब टुकड़ों में तोड़ दिया गया, और फिर प्रत्येक टुकड़े का उपयोग अन्य चीजों के लिए किया गया। यह दिलचस्प है क्योंकि यह हमें दिखाता है कि स्मारक को अपवित्र कर दिया गया था, और कोई इस तथ्य के बाद आया और अपनी छाप छोड़ना चाहता था, और उन्होंने एक पत्थर की संरचना देखी जो कुछ अरामी राजा का महिमामंडन कर रही थी।

और उन्होंने सोचा, हमें यहां इसकी आवश्यकता नहीं है और हम बस इसे एक अरब टुकड़ों में तोड़ देंगे और सभी टुकड़ों का उपयोग किसी और चीज़ के लिए करेंगे। लेकिन फिर भी, मेरा यही मतलब है जब मैं कहता हूँ कि इसे नष्ट कर दिया गया और टुकड़ों का पुनः उपयोग किया गया। टेल डैन स्टील के साथ मुद्दा यह है कि टेल डैन स्टील पर, यह वह जगह है जहां डेविड नाम पहली बार पुराने नियम के बाहर पाया गया था।

अब, इस दावे के बारे में दिलचस्प बात यह है कि द टेल डैन स्टील के प्रकाशित होने के बाद, एक लेख प्रकाशित हुआ था जिसमें तर्क दिया गया था कि डेविड, और वास्तव में, मुझे लगता है कि यह डेविड का घर है, जो टेल डैन स्टील पर एक ही वाक्यांश है। वास्तव में पुनर्निर्माण किया गया और मोआबी पत्थर में प्रकट हुआ। मोआबी पत्थर 19वीं सदी से मौजूद है लेकिन हाल तक कोई नहीं जानता था कि डेविड का घर उस पर था। तो, टेल डैन स्टील सबसे शुरुआती नहीं था लेकिन यह पहली बार है कि डेविड नाम का उल्लेख बाइबिल के पाठ के बाहर किया गया था।

यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है, और यह वास्तव में बहस को बढ़ावा दे रहा है क्योंकि इस तरह की खोज छात्रवृत्ति के इतिहास में एक बहुत ही रणनीतिक क्षण में हुई थी। और आइए यहां थोड़ा और सटीक हो जाएं। इस ग्राफ़िक में यह दिलचस्प है।

यह विचाराधीन वाक्यांश है, बीट, जो एक घर है, बीट राइट देयर, बीट योड ताव, डेलट वाव डेलट, हाउस ऑफ डेविड। तो यह वाक्यांश वास्तव में एक निर्माण श्रृंखला है लेकिन हम यही देख रहे हैं। यह पहली बार है जब डेविड का उल्लेख बाइबिल के बाहर किया गया था।

तो स्वाभाविक रूप से, जब भी आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो पुराने नियम की सामग्री पर व्यापक रूप से प्रभावशाली होता है, कोई ऐसा व्यक्ति जो उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जैसे कि मूसा, जोशुआ, डेविड, आप जानते हैं, कोई भी ऐसा व्यक्ति है, जब आप पवित्रशास्त्र के बाहर उनके नामों का उल्लेख देखना शुरू करते हैं, तो आप प्रत्येक टॉम, डिक और हैरी इस पर अपनी राय दर्ज कराने जा रहे हैं। मेरा मतलब है कि अगर फेसबुक तब मौजूद होता, सोशल मीडिया तब अस्तित्व में होता, तो मुझे लगता है कि इंटरनेट विस्फोट हो गया होता। यह हो गया, यह बहुत तीव्र था, और यह सोशल मीडिया के युग से पहले था।

लेकिन वैसे भी, इस खोज पर प्रतिक्रियाएँ हर जगह हैं, और मैं इसे यहाँ थोड़ा सा खोलने जा रहा हूँ। लेकिन यह एक बम था जो गिरा, और यह इसलिए गिरा क्योंकि, इस खोज के होने से ठीक कुछ साल पहले, आपके पास कुछ व्यापक रूप से प्रभावशाली इतिहासकार थे जो अनिवार्य रूप से यह बयान देते थे कि डेविड एक पौराणिक व्यक्ति था। डेविड वास्तव में अस्तित्व में नहीं था,

संभवतः, बाइबिल के बाहर हमारे पास उसका कोई सबूत नहीं है। इसलिए, बाइबिल केवल इस आदर्श चरित्र, इस डेविड व्यक्ति को, जो संभवतः अस्तित्व में भी नहीं था, किसी प्रकार के मानक के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

खैर, इस खोज में कहा गया है, नहीं, आप गलत हैं, और वास्तव में उनमें से कुछ लोगों को चुनौती दी है। तो, ये प्रतिक्रियाएँ, मूल रूप से सभी प्रतिक्रियाएँ जो टेल डैन के जवाब में हुईं, वे बहुत, बहुत भावुक थीं। ठीक है? और दिलचस्प बात यह है कि सभी प्रतिक्रियाओं की विविधता के बावजूद, हम वास्तव में प्रतिक्रियाओं को कुछ श्रेणियों में समूहित करना शुरू कर सकते हैं।

और यहीं पर मैं चर्चा जारी रखूंगा। एक श्रेणी थी, अच्छा, क्या यह शिलालेख जालसाजी है या नहीं? अब, आप लोग इसे सुन सकते हैं और कह सकते हैं, अच्छा, यह कैसा प्रश्न है? बेशक, यह कोई जालसाजी नहीं है। देखिए, मैंने एक अलग व्याख्यान में कहा है कि पुरातत्व आज पद्धतिगत रूप से बहुत, बहुत, बहुत जागरूक है।

यह पद्धतिगत रूप से जुनूनी है, जिसका अर्थ है कि जब आपको कुछ मिलता है, तो बेहतर होगा कि आप उसे टैग करें और पहले दो दस्तावेजों और रिकॉर्डों के साथ कुछ होने की स्थिति में उसे तीन गुना दस्तावेजित करें। तो, हम इस बात से आसक्त हैं कि वह कहाँ था? खोज का संदर्भ क्या था? यह क्या है? इसे किसने पाया? और इसलिए, यह वास्तव में हालिया स्मृति में है, मेरा मतलब है, यह पिछले कुछ महीनों के भीतर हुआ है। बाइबिल लोगों का संग्रहालय, ग्रीन फाउंडेशन, उन्हें अभी बताया गया है, हा, आपके सभी मृत सागर स्कॉल, वे वास्तव में नकली हैं।

ठीक है? तो, यह बहुत गंभीर है; जालसाजी से लाखों-करोड़ों और कभी-कभी अरबों डॉलर कमाए जा रहे हैं। तो, यह वास्तव में एक बहुत ही वैध प्रश्न है। और इसलिए, यह एक प्रश्न था जो इस खोज के समय सामने आया, क्या यह जालसाजी थी? और वास्तव में आपके पास ऐसे लोग थे जिन्होंने तर्क विकसित किए।

विशेष रूप से एक व्यक्ति ने इस तथ्य के बाद तर्क दिया कि शिलालेख को उत्खननकर्ताओं द्वारा पत्थर पर तराशा गया था। और यह एक प्रकार का हास्यास्पद आरोप है, लेकिन यह वहाँ है। और इसलिए सौभाग्य से, विद्वानों की आम सहमति ने इन लोगों को, इन षड्यंत्र सिद्धांतकारों को, उनकी जगह पर वापस भेज दिया है।

आम सहमति यह है कि यह कोई जालसाजी नहीं है। यह एक प्रामाणिक शिलालेख है। ठीक है? कठिनाई यह है कि यह क्या कहता है और इसका क्या अर्थ है? इसलिए, यह जालसाजी का प्रश्न वैध होते हुए भी शांत हो गया है।

एक और दिलचस्प सवाल जो सामग्री को प्रभावित करता है, जो हमारे पास हो सकता है उसके शब्दार्थ, टुकड़ों का संबंध है। जब उत्खननकर्ताओं को शुरू में तीन टुकड़े मिले, तो उन्होंने उन्हें एक निश्चित स्थान पर रख दिया। और शुरू में, लोग ऐसे थे, ठीक है, इसका कोई मतलब है।

लेकिन फिर आपके पास अन्य लोग भी थे जो अंततः आए और कहा, ठीक है, मैं इसके बारे में नहीं जानता। शायद हमें इस प्रकार की चीज़ों को फिर से समायोजित करना चाहिए। और फिर, ये वैध प्रश्न हैं क्योंकि, देखिए, ये एक शिलालेख के तीन टुकड़े हैं जो संभवतः काफी बड़े थे।

तो, हमारे पास बस इसका एक छोटा सा टुकड़ा है। यह बहुत महत्वपूर्ण अंश है। और यार, काश हमारे पास इसमें से कुछ और होता, लेकिन हमारे पास नहीं है।

लेकिन टुकड़ों का संबंध, टुकड़े ए, टुकड़े बी1, और टुकड़े बी2, वे एक साथ कैसे रखे जाते हैं? और इसलिए वहाँ एक बहस चल रही है, और आप इसे साहित्य में पा सकते हैं। कुछ लोग टुकड़ों को दूसरे टुकड़ों के ऊपर रखते हैं। कुछ लोग एक टुकड़ा यहाँ बनाम वहाँ रख देते हैं।

और, लेकिन फिर भी, आम सहमति काफी हद तक उत्खननकर्ताओं के पक्ष में है और कहती है कि यह शायद हमारा सबसे अच्छा दांव है। लेकिन वहाँ एक बहस चल रही है। और इसलिए शिलालेख की उत्पत्ति, मूल रूप से, दाता कौन था? किसने कहा, ठीक है, चलो एक शिलालेख बनाते हैं।

हम इसे यादगार बनाना चाहते हैं। शिलालेख का प्रभारी व्यक्ति, फिर से, शिलालेख का दाता है। यह एक, यह एक बहस है जो बहुत भयंकर है।

और एक आम सहमति है, लेकिन आम सहमति लगभग उतनी निश्चित नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि उल्लेखित व्यक्ति हमारे पास नहीं है। हमारे पास इस शिलालेख पर लोगों का उल्लेख है, लेकिन हम नहीं जानते कि शिलालेख को मंजूरी किसने दी।

हमारे पास वह नहीं है। उसका वह भाग, शिलालेख का वह भाग, चला गया है। तो अब हम सुराग लगाने से बचे हैं, ठीक है? हमारे पास परिस्थितिजन्य साक्ष्य बचे हैं।

हम शिक्षित अनुमान लगाने में ही रह गए हैं। और ऐसी संभावनाएं हैं जो सतह पर तैर रही हैं। बहुत से लोगों ने कहा है, अच्छा, यह बेन-हदद है।

खैर, बेन-हदद के साथ समस्या, क्या यह बेन-हदद 1, 2, या 3 है? बेन-हदद एक असीरियन राजा है जो पुराने नियम में दिखता है, लेकिन बेन-हदद, जिसका शाब्दिक अर्थ हदद का पुत्र है, हदद प्रमुख अरामी देवता है। तो, यह उनके भगवान का पुत्र है। यह एक तरह का सामान्य नाम है।

इसका क्या मतलब है? और कितने बेन, तो विचार यह है कि क्या बेन-हदद वास्तव में एक विशिष्ट नाम है, या यह एक शाही उपाधि की तरह है? क्या यह कुछ और है? क्योंकि कम से कम दो अलग-अलग बेन-हदद हैं, पुराने नियम में तीसरे बेन-हदद के लिए एक तर्क दिया जा सकता है। फिर भी, ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, ओह, यह बेन-हदद 2 है, दूसरा बेन-हदद। ठीक है, मैं, वहाँ बहुत कुछ है, वहाँ बहुत सारी अस्पष्टता है, लेकिन वह चर्चा का हिस्सा है।

जहां बहुत सारे लोग पहुंचते हैं वह हेज़ेल नाम का लड़का है। हजाएल यह अरामी राजा है जो यहू के समय के आसपास आया था। कुछ लोग अटकलें लगाते हैं, और हम इस पर विचार करेंगे।

कुछ लोग अनुमान लगाते हैं कि हो सकता है कि येहू ने हजाएल के साथ मिलीभगत की हो और अहाब, एमोरी राजवंश पर कब्ज़ा कर लिया हो।

यह एक संभावना है। लेकिन हजाएल येहू के समय के आसपास सत्ता में आया, और वास्तव में उस समय के दौरान इस्राएलियों के लिए बहुत विनाश किया। वास्तव में, हजाएल को पहली बार 1 किंग्स अध्याय 19 में पेश किया गया है, मुझे विश्वास है, जहां एलिय्याह खुद को अहाब और इज़ेबेल से भागता हुआ पाता है, खुद को सिनाई पर्वत पर पाता है, और भगवान मूल रूप से कहते हैं, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? वापस जाओ और अपना काम करो।

आप अराम के अगले राजा के रूप में येहू और हजाएल का अभिषेक करने जा रहे हैं। और इसलिए, हेज़ेल को उसकी मृत्यु के बाद तक कोई सफलता नहीं मिलती है, लेकिन यहीं पर हमारा पहली बार हेज़ेल से परिचय होता है। हेज़ेल एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।

पुराने नियम में उसके बारे में बहुत चर्चा की गई है। नव-असीरियन अभिलेखों में भी उनकी बहुत चर्चा हुई है। तो, यह एक ऐसा व्यक्ति है जो बहुत लोकप्रिय है, बहुत व्यापक रूप से जाना जाता है, और संभवतः यह मामला है, कालक्रम के आधार पर, जो कहा गया है उसके आधार पर, कि हेज़ेल परोपकारी था।

वह वही व्यक्ति है जिसने प्रारंभ में इस शिलालेख को मंजूरी दी थी। फिर, हम नहीं जानते। शिक्षित अनुमान और कई विद्वान इस पर हेज़ेल के पक्ष में होंगे।

एक मुद्दा और एक चर्चा जिसने सबसे अधिक विवाद पैदा किया है वह उस निर्माण श्रृंखला का अर्थ है जो मैंने आपको कुछ ही क्षण पहले दिखाया था। द बीट योड टैव, दलित वाव, दलित। अब, यदि आप बाइबिल हिब्रू के बारे में कुछ भी जानते हैं, तो बाइबिल हिब्रू मूल रूप से केवल व्यंजन के रूप में लिखी गई थी।

भाषा के विकसित होने के साथ-साथ आंतरिक स्वर भी विकसित हुए। लेकिन स्वर आपके पाठ में अधिकतर छोटे बिंदु होते हैं। और जब आप अपने धर्मग्रंथ के पाठ के बाहर लौह युग के दौरान इन शिलालेखों, इन लेखों को देखते हैं, तो उनमें से किसी में भी स्वर नहीं है।

आंतरिक स्वरों के लिए कुछ सबूत हैं, लेकिन अधिकांश भाग के लिए, ये केवल व्यंजन हैं। तो, इस शिलालेख पर जो व्यंजन प्रश्न में हैं, वे हैं बीट योड ताव, जिसका अनुवाद हाउस ऑफ होता है, और फिर डालेट वाव दलित, जो डेविड के उचित नाम से जुड़े व्यंजन हैं। तो वस्तुतः, निर्माण श्रृंखला हाउस ऑफ डेविड पढ़ती है।

अब, फिर से, जैसा कि मैंने बताया, यह खोज ठीक उसी समय हुई जब कुछ बहुत प्रभावशाली विद्वान डेविड की ऐतिहासिक वैधता पर सवाल उठा रहे थे। क्या वह कोई वास्तविक व्यक्ति भी था? क्या वह एक पौराणिक व्यक्ति था? और इसलिए आपके पास यह शिलालेख है जो डेविड को एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में संदर्भित करता है और उसे एक स्थायी राजवंश का श्रेय देता है, जो कि पुराने नियम में बिल्कुल वैसा ही है। एक व्यक्ति के तौर पर डेविड की ऐतिहासिकता पर सवाल उठाने वाले ये लोग क्या प्रतिक्रिया देंगे? खैर, उन्होंने बहुत खराब प्रतिक्रिया व्यक्त की।

और यह वास्तव में एक केस स्टडी बन जाता है कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए कितनी दूर तक जाने वाले हैं कि आपके विचार उस बिंदु तक समाप्त न हो जाएं जहां आप वास्तव में बेतुके लगने लगें। क्योंकि कुछ विचार यह थे कि दलित वाव दलित वास्तव में डेविड नहीं था, बल्कि डोड था, जो किसी प्रकार का भगवान, प्रेम का देवता या उसी तर्ज पर कुछ और है। यह वास्तव में इस हद तक हास्यास्पद हो जाता है कि आप पीछे हटते हैं और अपना सिर खुजलाते हैं और कहते हैं कि आप केवल विचार लेकर आ रहे हैं क्योंकि आप ऐसा नहीं करना चाहते हैं; आप यह स्वीकार नहीं करना चाहते कि आप संभवतः ग़लत हैं। लेकिन यह मूलतः यही था।

काफी लंबी बातचीत हुई। इस वाक्यांश का क्या मतलब होता है? फिर, इस पर जो सहमति बनी है उसका मतलब वही है जो दिखता है। डेविड का घर.

और इसलिए, प्रश्न बदल गया है। दरअसल, सवाल बदल गया है। यह टेल डैन स्तेल अभी भी पुराने नियम के बारे में ऐतिहासिक चर्चाओं में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ्य गवाह है।

लेकिन डेविड वास्तव में अस्तित्व में था या नहीं, डेविड वास्तव में एक ऐतिहासिक राजवंश का संस्थापक था या नहीं, इसकी चर्चा अभी नहीं हो रही है। इसके बजाय, बातचीत इतिहासलेखन के मुद्दों और इतिहास लेखन की प्रकृति के इर्द-गिर्द हो रही है। विशेष रूप से, क्या टेल डैन स्तेल अपने इस दावे में पवित्रशास्त्र का खंडन करता है कि यह ही वह व्यक्ति था जिसने एमोराइट राजवंश का उन्मूलन किया था? क्योंकि जब आप 2 राजाओं के अध्याय 8, 9, और 10 में पढ़ते हैं, तो यह यह ही था जिसने एमोरी परिवार, अहाब के परिवार को चुप करा दिया, उन सभी को चुप करा दिया, ईज़ेबेल को चुप करा दिया, सभी बच्चों को मार डाला, राजवंश को खत्म कर दिया क्योंकि उसे यही करना था।

उस पर उनका अभिषेक किया गया। हालाँकि, इस पाठ में, अरामी दानकर्ता एमोराइट राजवंश की हार और विनाश और हत्या का दावा करने वाला प्रतीत होता है। तो, आप किसकी टीम चाहते हैं? टीम बाइबल या टीम टेल डैन स्तेल? और इसलिए बातचीत यहीं स्थानांतरित हो गई है।

यह डेविड, राजवंश से हटकर उसे किसने मारा, पर आ गया है। तो, यह अभी भी खेल में है। इस पर अभी भी चर्चा हो रही है, लेकिन इसकी चर्चा अलग-अलग कारणों से हो रही है।

और हम उस पर वापस लौटेंगे क्योंकि मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि यह एक वैध तर्क है, लेकिन यह हमें प्राचीन इतिहास लेखन की गतिशीलता से जूझने के लिए मजबूर करता है? और प्राचीन इतिहास लेखन आधुनिक इतिहास लेखन से किस प्रकार भिन्न है? क्योंकि हमें अपना इतिहास लेखन अच्छा लगता है। हम चाहते हैं कि हमारा इतिहास लेखन वैज्ञानिक, तथ्य-आधारित आदि हो।

लेकिन जब आप प्राचीन इतिहास लेखन से निपटते हैं, तो आप कुछ ऐसी चीजों से निपटते हैं, जो स्पष्ट रूप से, मुझे परेशान करती हैं। लेकिन यह हकीकत है और मैं इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। तो, फिर से, इन सबने इस बहस को शांत कर दिया कि डेविड एक ऐतिहासिक व्यक्ति थे या नहीं।

और फिर, जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, बस इसे यहां एक स्लाइड पर रखने के लिए, यह चर्चा को फ्रेम करता है, टेल डैन स्तेल के आसपास की बातचीत अब बाइबिल के ऐतिहासिक मूल्य की चर्चा को एक नए तरीके से तैयार करती है। जैसा कि मैंने बताया, स्तेल के ऐतिहासिक दावे 2 राजाओं के विरोधाभास में हैं। और एमोराइट राजवंश को किसने मारा? उन्हें किसने चुप कराया? क्या यह अरामी राजा था? या, जो कहीं है जहां मैं शायद हमें ले जा रहा हूं, क्या यहां कुछ और अधिक बारीक चल रहा है? क्या कुछ और है जिससे बाइबल इनकार नहीं कर रही है, बल्कि बाइबल केवल धार्मिक कारणों से अपना ध्यान हटा रही है? फिर, यह हमें प्राचीन निकट पूर्वी संदर्भ में ऐतिहासिक लेखन की बारीकियों पर विचार करने के लिए मजबूर करेगा। तो, यह सब कहने के बाद, इसे विराम दें।

हम इस पर वापस आएं, क्योंकि अब हमें जो देखने की जरूरत है वह टेलर प्रिज्म कहलाती है। ठीक है? यदि आप चाहें तो टेलर प्रिज्म मूल रूप से सन्हेरीब के शाही ऐतिहासिक विवरण, उसके इतिहास की एक प्रति है। ठीक है? सन्हेरीब के पास अपने शासनकाल के स्वीकृत आधिकारिक इतिहास की कम से कम तीन प्रतियां हैं, और वे टेलर प्रिज्म, जेरूसलम प्रिज्म और शिकागो प्रिज्म में पाई जाती हैं।

अब, पाठ आलोचकों ने तीनों प्रतियों को देखा है, और उन्होंने निर्धारित किया है कि यह मूलतः एक ही दस्तावेज़ है। इसमें सूक्ष्म अंतर, मामूली अंतर और लिपिबद्ध भिन्नताएं हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है जो मौलिक रूप से सुझाव देता हो कि हम विभिन्न दस्तावेजों के साथ काम कर रहे हैं। ठीक है? ऐसा प्रतीत होता है कि सन्हेरीब ने, किसी समय, अपने शाही इतिहास को मंजूरी दे दी, और उसने कहा, ठीक है, इसकी कम से कम तीन प्रतियां बनाओ।

लेकिन ये वृत्तांत, उनके युद्ध वृत्तांत, एक राजा के रूप में उन्होंने क्या किया, यह सिर्फ एक वर्ष पर केंद्रित नहीं है। यहां कई वर्षों की चर्चा की गई है। वे उस पर दिखाई देते हैं जिसे मिट्टी के प्रिज्म कहा जाता है, और प्रिज्म इस तरह से विकसित हुआ कि, अनिवार्य रूप से, प्रिज्म एक आकार के रूप में विकसित हुआ क्योंकि इसमें अधिक लेखन हो सकता था।

यह बहुत रुचिपूरण है। एक अतिरिक्त चर्चा के रूप में, मेसोपोटामिया में ऐतिहासिक प्रतिबिंब के माध्यम की प्रकृति। उन्होंने मिट्टी, मिट्टी के सिलेंडरों, मिट्टी की पट्टियों और उस प्रकार की चीजों पर लिखा, और यह विचार करना दिलचस्प है, ठीक है, वे इस से इस में क्यों बदल गए? लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सन्हेरीब के शासनकाल के दौरान मिट्टी का प्रिज्म इस तथ्य के कारण महत्वपूर्ण हो गया था कि इसमें अधिक लिखावट हो सकती थी।

ठीक है? यह यहां टेलर प्रिज्म की तस्वीर है, और इसका नाम एक ब्रिटिश कर्नल के नाम पर रखा गया है। ठीक है? इसका नाम एक ब्रिटिश कर्नल के नाम पर रखा गया है जो इस पर कब्ज़ा करने आया था। हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि उसके पास यह कैसे आया।

हम बस इतना जानते हैं कि एक निश्चित समयावधि में, एक निश्चित समय के लिए, ब्रिटिश संग्रहालय द्वारा सामग्री का प्रकाशन किया गया था। तो, ऐसा लगता है कि मेसोपोटामिया में

खुदाई के दौरान ब्रिटिश कर्नल ने इसे अपने कब्जे में ले लिया और फिर किसी समय उन्होंने इसे ब्रिटिश संग्रहालय में गिरवी रख दिया, जहां उन्होंने इसे प्राप्त किया और इसकी सामग्री को प्रकाशित किया। फिर से, टेलर प्रिज्म शिकागो प्रिज्म और जेरूसलम प्रिज्म के सहयोग से।

ठीक है? और आखिरकार ऐसा ही हुआ। फिर, खोज की उत्पत्ति, खोज कैसे हुई, इस पर बहुत अस्पष्टता है, और इसलिए यह पुरातत्वविदों को थोड़ा परेशान करता है क्योंकि बेहतर शब्द की कमी के कारण, कोई कागजी निशान नहीं है। तुम्हें पता है, इस पर एक कागज़ का निशान लगाओ।

ऐसा कुछ भी नहीं है। लेकिन इसकी सामग्री वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है। तो फिर, यह दस्तावेज़, यह सिलेंडर प्रिज्म, सन्हेरीब के कारनामों का वर्णन करता है, जो एक बहुत, बहुत प्रसिद्ध राजा था।

वह सर्गोन द्वितीय का उत्तराधिकारी था। सर्गोन ॥, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं सरगोन ॥. शल्मनेसर वी, मुझे क्षमा करें।

सरगोन द्वितीय ने शल्मनेसर वी को रास्ता दिया, जिसने सन्हेरीब को रास्ता दिया। सर्गोन ॥ संभवतः वह व्यक्ति है जिसने 722 में सामरिया को बर्खास्त कर दिया था। इसके बारे में कुछ चर्चा है, चाहे वह सर्गोन ॥ हो या शल्मनेसर वी। लेकिन सन्हेरीब 8वीं शताब्दी के अंत में सत्ता में आया और हां, वह बस, उसने किया। बहुत।

यह प्रिज्म उसका पुनर्गणना करेगा। और इसका एक, एक खंड उनके तीसरे सैन्य अभियान के बारे में बात करता है। इसलिए, किसी भी साम्राज्य के लिए सबसे कठिन समयावधियों में से एक राजनीतिक परिवर्तन का समय था।

और नव-असीरियन साम्राज्य जितना शक्तिशाली था, यह अभी भी एक बहुत ही वास्तविक वास्तविकता थी। जब अश्शूरियों ने राजा बदल दिए, जब एक राजा की मृत्यु हो गई और एक नए राजा को रास्ता दिया, तो यह संक्रमण का वह क्षण था जहां ये सभी छोटे जागीरदार राज्य जो नव-असीरियन साम्राज्य से वंचित थे, उन्होंने कहा, हम उठने जा रहे हैं विद्रोह पर उतारूँ. और इसलिए सन्हेरीब के शासनकाल के पहले तीन वर्षों में, वह अनिवार्य रूप से उन विद्रोहों से निपट रहा था जो उसके सिंहासन पर चढ़ने के साथ हुए थे।

लेकिन तीसरे वर्ष में, उनके तीसरे, मुझे कहना चाहिए कि उनका तीसरा सैन्य अभियान, जब उनका तीसरा सैन्य अभियान था, तो उन्होंने सीरिया-फिलिस्तीन के क्षेत्र पर अपनी नजरें गड़ा दीं। क्योंकि जो हुआ था वह यह था कि एक गठबंधन बन गया था जिसमें हिजकिय्याह शामिल था, जिसमें कुछ पलिशती शामिल थे, जिसमें वहां कुछ अन्य राजनेता शामिल थे, और वे उठ खड़े होने लगे। उन्होंने असीरियन समर्थक राजाओं को बेदखल करना शुरू कर दिया।

उन्होंने उन्हें उतारना शुरू कर दिया, अब हम इसे क्या कहें, सीआईए शासन बदल जाता है, यदि आप चाहें। उन्होंने कुछ शासन परिवर्तन किये। और इसलिए अश्शूरियों को यह पसंद नहीं आया।

और अंततः, जब सन्हेरीब ने मेसोपोटामिया में एक पंक्ति में बत्तखें रखीं, तो उसने कहा, ठीक है, मुझे सीरिया-फिलिस्तीन जाना है। मुझे सीरिया-फिलिस्तीन जाना पड़ा, केवल इसलिए नहीं कि हम इतने वर्षों से मिस्र जाने की कोशिश कर रहे थे, बल्कि मुझे इस विद्रोह के दर्द से निपटना था और हिजकिय्याह नाम के इस व्यक्ति से निपटना था। और इसलिए यह पाठ उसके आंदोलन, उपजाऊ क्रिसेंट के उत्तरी किनारे पर, तटीय मैदान के नीचे, शेफेला के पार और यरूशलेम की ओर उसके व्यवस्थित आंदोलन का वर्णन करता है।

आप इसे ट्रैक कर सकते हैं और बता सकते हैं कि वह कैसा था, आप जानते हैं, जैसे-जैसे वह आगे बढ़ रहा था, वह समस्या क्षेत्रों से निपट रहा था और अशशूर द्वारा नियुक्त लोगों को सत्ता में वापस ला रहा था। परन्तु वह हिजकिय्याह और यरूशलेम की ओर अपना मार्ग बना रहा है। और इसलिए उसका तीसरा सैन्य अभियान वास्तव में उसके और यहूदा और यरूशलेम में उसके प्रयासों के साथ समाप्त होता है, ठीक है? लेकिन फिर, यह तीसरा सैन्य अभियान विद्रोहियों की प्रतिक्रिया थी।

फिर से, आप उसे फोनीशिया के माध्यम से तट के नीचे काम करते हुए देखते हैं, पलिशियों के साथ तटीय मैदान पर हमला करते हैं, और फिर यरूशलेम और यहूदा तक पहुंचने के लिए घाटियों के पार शेफेला को दो भागों में बांटते हैं। वह पूरे रास्ते राजाओं को पदच्युत कर रहा है और अशशूर समर्थक राजाओं को स्थापित कर रहा है। ऐसा करने की प्रक्रिया में, उसने यहूदा को पूरी तरह से तबाह कर दिया।

यह बात हमें पुरातात्विक अभिलेखों से ज्ञात होती है। वह अपने रास्ते में विनाश का जाल छोड़ता है, ठीक है? और यदि वह एक काम पूरा करता है, तो वह यहूदी अर्थव्यवस्था और यहूदी सामाजिक संरचनाओं और यहूदी बुनियादी ढांचे को पंगु बना देता है। यदि वह किसी एक बात पर घमंड कर सकता है, तो वह उस पर भी घमंड कर सकता है।

लेकिन होता यह है कि वह लाकिश में दुकान स्थापित करता है। और लाकीश, जैसा कि मैंने पिछले व्याख्यान में उल्लेख किया है, यहूदा के प्रमुख प्रशासनिक केंद्रों में से एक है। याद रखें, इस समय इजराइल अस्तित्व में नहीं है।

कोई इजराइल नहीं है। 722.701 में इजराइल को बर्खास्त कर दिया गया और निर्वासित कर दिया गया, यह सिर्फ यहूदा है।

और इसलिए, लाकीश एक बहुत ही महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसा प्रतीत होता है कि सन्हेरीब लाकीश के ठीक बाहर अपना डेरा बनाता है, और वह लाकीश को नष्ट कर देता है। और हम यह कैसे जानते हैं? खैर, ऑस्टिन हेनरी लेयर्ड को धन्यवाद, हमें नीनवे में उनके महल में उनकी दीवार की सजावट मिली।

और वे दीवार की सजावट सोने की परतें हैं जो उस विचित्र घेराबंदी युद्ध को दर्शाती हैं जिसके तहत सन्हेरीब ने लाकीश को अधीन किया था। मेरा मतलब है, कुछ घटिया, गंदी तस्वीरें हैं। लोगों

को सूली पर चढ़ाया जा रहा है, लोगों को फिलमाया जा रहा है, सिरों के ढेर लगाए जा रहे हैं, वगैरह-वगैरह।

मेरा मतलब है, यह अपने सर्वोत्तम रूप में दृश्य बयानबाजी है। उसके महल की दीवारों की सजावट का कारण यह था कि वह उस महल में कदम रखने वाले किसी भी व्यक्ति को हर संभव तरीके से डराना चाहता था। और वे तस्वीरें इंतज़ार में खड़े हर किसी को याद दिला देंगी कि यही वह व्यक्ति है जिसे आप देखने जा रहे हैं।

यदि आप उसे पार कर लेंगे तो आपको यही अनुभव होगा। और यह दिलचस्प है, दोस्तों। यह दिलचस्प है कि वह जोर देना चुनता है और वह यहूदा के दूसरे सबसे बड़े शहर के विनाश का जश्न मनाना चुनता है, न कि उसकी राजधानी का।

इसलिए, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एक सेकंड में यहां पहुंच जाएंगे। लेकिन यह सब, टेलर प्रिज्म, सन्हेरीब का इतिहास, उसकी पुनर्गणना। याद रखें, टेलर प्रिज्म सन्हेरीब द्वारा यरूशलेम और यहूदा की घेराबंदी का विवरण देता है।

यह 701 से जुड़ी घटनाओं में परिष्कार, अस्पष्टता और कठिनाई की एक और परत जोड़ता है। और, वास्तव में, हमें बाइबिल में ही इस घटना के कई विवरण मिले हैं, ठीक है? यशायाह, अध्याय 36 से 39, इस बारे में बात करता है। और यहां तक कि 2 राजाओं के भीतर भी, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या हम, क्या यहां कई खाते हैं? क्या यह एक एकल खाता है? क्योंकि आप 2 राजा, अध्याय 18, पद 13 से 16, और 2 राजा, अध्याय 8, पद 37 से अध्याय 19 तक क्या करते हैं? क्योंकि 2 राजा अध्याय 18, श्लोक 37 से अध्याय 19 तक हमें वे छवियां मिलती हैं जो हम संडे स्कूल में बड़े हुए हैं।

यह प्रभु के दूत का फलालैन बोर्ड विवरण है जो आधी रात में 185,000 अशूरियों को मारते हुए निकला था। तो, हिजकिय्याह अगली सुबह उठा और हे भगवान, वे सभी मर चुके थे। और हम उस चमत्कारी उद्धार के लिए प्रभु को धन्यवाद दे सकते हैं।

लेकिन फिर भी, अध्याय 18 में वे तीन श्लोक, श्लोक 13 से 16, ऐसा प्रतीत होता है कि हिजकिय्याह ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह इस बारे में बात करता है कि उसने मंदिर के सोने के आवरण को कैसे उतार दिया। उसने शाही भंडारगृहों और शाही बैंकों वगैरह से सभी कीमती धातुएँ छीन लीं।

और उसने उन्हें अशूरियों को दे दिया. तो, हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? क्या हिजकिय्याह ने आत्मसमर्पण कर दिया, या वह दृढ़ रहा? क्या यरूशलेम को बचाया गया, या अशूर को इसका फल मिला? तो, यहाँ एक कठिनाई है, यहाँ तक कि पाठ के भीतर भी। और जहां सन्हेरीब का विवरण है, वह सिर्फ उस कठिनाई को बढ़ाता है क्योंकि सन्हेरीब इस बारे में बात करेगा कि कैसे उसने हिजकिय्याह को पिंजरे में एक पक्षी की तरह बंद कर दिया, कैसे उसने इस तथ्य के बाद श्रद्धांजलि भुगतान स्वीकार किया, ये सभी लोग, दास और सामान, वगैरह।

सन्हेरीब इस बारे में बात करेगा कि कैसे उसने यरूशलेम के विनाश के बारे में बात न करते हुए हिजकिय्याह से वह सब स्वीकार कर लिया। वह उन 46 शहरों या 48 शहरों के बारे में डींगें हांकेगा जिन्हें उसने नष्ट कर दिया था, लेकिन वह यरूशलेम के विनाश के बारे में डींगें नहीं मारेगा। तो हम इन सभी चीजों को एक साथ कैसे रखें? यहाँ क्या चल रहा है? क्या हुआ? खैर, हम इस तथ्य के बारे में जानते हैं कि यरूशलेम खड़ा था, कि इस समयावधि के दौरान यरूशलेम को जलाकर नष्ट नहीं किया गया था।

हम जानते हैं कि हिजकिय्याह राजा बना रहा। तो, हम जानते हैं कि सन्हेरीब एक निश्चित बिंदु तक असफल रहा था। लेकिन इन सभी चीजों को कैसे संश्लेषित किया जा सकता है? क्या उन्हें संश्लेषित किया जा सकता है? हम यहां क्या कर रहे हैं? मेसोपोटामिया की शुरुआती खुदाई से पुरातत्व द्वारा हमारे पास लाए गए ये सभी साक्ष्य क्या हैं? यह सब धर्मशास्त्र की हमारी समझ पर क्या प्रभाव डाल रहा है? क्या यह इसे स्पष्ट कर रहा है, या यह ऐसी स्थिति उत्पन्न कर रहा है जिसे समझाया नहीं जा सकता? हम धर्मग्रंथ पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? क्या यह हमें सच बता रहा है? तो, दोस्तों, आप यहां सभी निहितार्थ देखते हैं।

आप पैदा होने वाली समस्याओं और कठिनाइयों को देखते हैं। अब आप देख सकते हैं कि तेल दान स्तेल, जिसने एमोरियों को मार डाला था, क्या वह येहू था, क्या वह हजाएल था, या वह कुछ और था? 701 में यरूशलेम का क्या हुआ? आप देख सकते हैं कि ये सभी चीजें, पुरातत्व की बदौलत, हमें ऐतिहासिक लेखन, प्राचीन ऐतिहासिक लेखन की प्रकृति से जूझने के लिए मजबूर कर रही हैं। प्राचीन ऐतिहासिक लेखन में अलंकार की क्या भूमिका है? ऐतिहासिक लेखन में साहित्यिक कलात्मकता की प्रकृति क्या है? क्योंकि हम, आधुनिक इतिहासकारों के रूप में, बयानबाजी पसंद नहीं करते हैं।

हम चाहते हैं कि हमारा इतिहास सीधा, तथ्य-युक्त, उफान वाला हो, मुझे दे दो, बेबी, उम, उम, उफान। लेकिन जाहिरा तौर पर हमारे पास ऐसा नहीं है। क्योंकि हाँ, किंग्स ऐतिहासिक लेखन है।

हाँ, सन्हेरीब के वृत्तांत ऐतिहासिक लेख हैं। लेकिन वे अलग हैं। मेरा मानना है, और बस अपना हाथ बढ़ाने और चीजों को यहीं समेटने की कोशिश करने के लिए, मेरा मानना है कि एक संश्लेषण संभव है।

लेकिन यह संभव है अगर हम भाषा और अलंकार की चंचलता को समझें। यदि हम यह समझें कि पूर्वजों ने जिस प्रकार अपना इतिहास लिखा उसमें अलंकार एक महत्वपूर्ण कारक था। यदि हम यह समझें कि भाषा स्वयं स्वभावतः मायावी हो सकती है।

यदि हम उन चीजों को समझते हैं, तो मुझे लगता है कि हम उस बिंदु पर पहुंच सकते हैं जहां हम प्राचीन ऐतिहासिक लेखन की शैली का सम्मान करना शुरू कर रहे हैं, और चीजें जरूरी नहीं हैं, ठीक है, आप किसकी टीम में हैं? हम यह द्वंद्व पैदा नहीं करते कि ओह, क्या यह यह है या यह क्या है? और यदि यह यह है, तो यह यह नहीं हो सकता। यह एक या दूसरा होना ही है क्योंकि यह कठिन है। क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम इस तरह के मुद्दों पर आते हैं, जहां यह या तो यह है या यह है, और यह काला और सफेद है, और यहां कुछ भी ग्रे नहीं है।

मुझे लगता है कि अगर हम इसके साथ समस्या का समाधान करते हैं, तो मुझे लगता है कि हम खुद को एक क्षमाप्रार्थी समस्या में डाल देंगे। क्योंकि हम बाइबल का पक्ष ले सकते हैं, हम कह सकते हैं कि बाइबल सत्य है।

बाइबल का वृत्तांत वह है जो मायने रखता है। लेकिन अगर हम ऐसा कहते हैं, तो क्या हम रेत में अपना सिर छिपाकर किसी बुद्धिजीवी से उलझ रहे हैं? हम बस ऐसा दिखावा कर रहे हैं जैसे यह सामान यहां मौजूद ही नहीं है। यही क्षमाप्रार्थी समस्या है।

हम उन चीजों की अनदेखी किए बिना धर्मग्रंथ की रक्षा कर सकते हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। तो यही वह जगह है जहाँ मैं जाना चाहता हूँ। और इसलिए अगले कुछ क्षणों के लिए, मैं बस आपके लिए कुछ बातें छेड़ना चाहता हूँ।

और मैं अपनी किताब में इसके बारे में थोड़ा और विस्तार से बात करता हूँ। और यदि आप उस पर कुछ और निश्चित वक्तव्य चाहते हैं, तो मैं आपको टेलर प्रिज्म और टेलर-डांस डीलर पर अध्याय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूँगा। लेकिन क्या होगा अगर हम यहां जो कर रहे हैं वह पुरातत्व से प्राप्त साक्ष्य हमें अंधेरे में रहने के लिए मजबूर कर रहा है तो क्या होगा? यदि यह चीज़ अच्छी है तो क्या होगा क्योंकि यह हमें शैली की गतिशीलता से जूझने में मदद करती है? क्या होता यदि प्राचीन इतिहास लेखन किसी विशेष बिंदु पर जोर देने के बारे में होता और यह दिखावा न करता जैसे कि चीजें अस्तित्व में ही नहीं हैं? तो, यहाँ मेरे साथ रहो।

एक क्रिया है जिसका उपयोग 2 किंग्स अध्याय 9 में ओमराइड लाइन को मिटाने में जेहू के प्रयासों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। यह एक सामान्य क्रिया नहीं है, लेकिन यह एक क्रिया है जो एक विशिष्ट व्युत्पन्न स्टेम में दिखाई देती है। और इसका मतलब है षडयंत्र। उसने साजिश रची।

अब, इसमें कोई एजेंट शामिल नहीं है। स्पष्ट रूप से कोई एजेंट नहीं बताया गया है। हम नहीं जानते कि क्या येहू ने भविष्यवक्ताओं के साथ मिलकर षडयंत्र रचा था।

हम नहीं जानते कि येहू ने, हम नहीं जानते कि येहू ने किसके साथ मिलकर षडयंत्र रचा। लेकिन पाठ हमें बताता है कि येहू ने ओमराइड्स को मारने की साजिश रची। ठीक है? सबसे तात्कालिक उदाहरण यह है कि उसने भविष्यवक्ताओं के साथ मिलकर साजिश रची क्योंकि हमने अभी उस संदर्भ में पढ़ा है, हमने अभी एलीशा से आने वाले एक भविष्यवक्ता के बारे में पढ़ा है जो येहू का अभिषेक करने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ उसे दैवीय रूप से अभिषिक्त हत्यारे के रूप में अभिषेक करने के लिए आया था।

तो वह उस साजिश में सबसे स्पष्ट एजेंट है। लेकिन अगर कुछ और चल रहा हो तो क्या होगा? यदि येहू भी किसी और के साथ मिलकर षडयंत्र रच रहा हो तो क्या होगा? टेल डैन स्टेल में अरामी भाषा के कारण, सक्रिय इंद्रिय को निष्क्रिय इंद्रिय के साथ जोड़ना मुश्किल है। तो, टेल डैन स्टेल में वह क्रिया जो इस अरामी राजा, ओमराइड की हत्या के बारे में बात करती है, इसे निष्क्रिय रूप से भी पढ़ा जा सकता है ताकि ओमराइड्स को अरामी द्वारा मार दिया जाए।

यह यह बयान दे सकता है कि ओमराइड्स को मार दिया गया था। वह निष्क्रिय विचार हमें इस अस्पष्ट कमरे की अनुमति देता है, जो शाही बयानबाजी में इतना महत्वपूर्ण है, जो राजा की महानता के बारे में बात करना चाहता है। तो, क्या पुराने नियम का पाठ इस प्रकार की अस्पष्ट जगह बना रहा है जो हमें कई एजेंसियों को शामिल होते हुए, कई एजेंसियों को एक विशिष्ट, जटिल, जटिल ऐतिहासिक घटना पर एकत्रित होते हुए देखने की अनुमति देता है? देखिए, ओमराइड राजवंश की हत्या ने बहुत बड़ा प्रभाव छोड़ा होगा।

ओमराइड्स ने, उन सभी चीजों के लिए जो उन्होंने गलत कीं, उन्होंने क्षेत्र को स्थिर किया और उन्होंने इज़राइल और यहूदा दोनों को विकसित होने, प्रगति करने और समृद्ध होने की अनुमति दी। और जब आप उस राजवंश को बाहर निकालेंगे, तो आप स्वचालित रूप से उस क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लेंगे और उसे अराजकता में डुबा देंगे। यह एक जटिल ऐतिहासिक घटना है जिसके व्यापक प्रभाव हैं।

तो, क्या होगा यदि कई एजेंसियां, अरामी एजेंसियां, अन्य इजरायली गुटों के साथ काम कर रही हैं, सभी एक एकीकृत इरादे के लिए, सभी एक एकीकृत लक्ष्य के लिए, और वह है ओमराइड्स को समीकरण से हटाना? तो, यह वह नहीं है जिसकी टीम आप चाहते हैं। आप टीम बाइबल या टीम टेल डैन स्तेल चाहते हैं, बल्कि यह कि वास्तव में क्या हुआ होगा, इस पर हमें स्पष्टता देने के लिए ये दोनों चीजें कैसे मिलती हैं? और मुझे लगता है कि 701 ईसा पूर्व की घटनाओं के बारे में भी कुछ ऐसा ही कहा जा सकता है। बाइबल इस तथ्य को स्वीकार करती है कि हिजकिय्याह की अवज्ञा का यहूदी समाज और यहूदी बुनियादी ढांचे पर भारी प्रभाव पड़ा।

हां, श्रद्धांजलि का आदान-प्रदान हुआ क्योंकि जब तक यरूशलेम खड़ा था, वे नष्ट नहीं हुए थे। और हाँ, सन्हेरीब विफल रहा। और घटना का चमत्कार, 701 ईसा पूर्व का चमत्कार, इस बारे में अधिक था कि यरूशलेम कैसा खड़ा था जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था।

और इसलिए, असीरियन एक विशिष्ट तरीके से अपने प्रयासों के बारे में बात करते हैं, इस तथ्य पर जोर देते हुए कि सन्हेरीब को यह सारी श्रद्धांजलि मिली, उसने ये सभी दास प्राप्त किए, उसने यहूदी समाज को तबाह कर दिया, यह सब कहने की कोशिश करते हुए, अरे, इधर उधर मत देखो यहाँ, कमरे में 800 पाउंड के हाथी को मत देखो, क्योंकि कमरे में वह 800 पाउंड का हाथी यही है। हिजकिय्याह को सिंहासन से नहीं हटाया गया था, और यरूशलेम को बर्खास्त नहीं किया गया था। तो, वास्तव में, सन्हेरीब कितना सफल था? तो, सन्हेरीब को उससे निपटना होगा।

उसे उससे निपटना होगा। और इसलिए, वह शास्त्रियों से कहते हैं, ठीक है, ध्यान केंद्रित करो, किसी और चीज़ पर ध्यान केंद्रित करो। ठीक है, हाथ की सफ़ाई, यदि आप चाहें।

और पुराना नियम कह रहा है, हां, यह राष्ट्र, यह सेना, जो अपनी सैन्य दक्षता के चरम पर काम कर रही थी, को चमत्कारिक ढंग से खदेड़ दिया गया था। और यही चमत्कार है। और यह बहुत, बहुत दिलचस्प है।

तो, यह सब कहने के लिए, मुझे लगता है कि हमें इस विचार से दूर जाने की जरूरत है कि यह एक या दूसरा होना चाहिए। इन उदाहरणों में, टेल डैन स्टेल द्वारा प्रदर्शित और टेलर प्रिज्म द्वारा प्रदर्शित, इन उदाहरणों में जहां ऐसा लगता है कि, उह-ओह, हमें यहां एक विरोधाभास मिला है। नहीं नहीं नहीं नहीं।

आइए विरोधाभास के इस विचार से समझौता न करें। आइए कड़ी मेहनत करें, ठीक है? आइए कड़ी मेहनत करें और देखें कि पाठ वास्तव में क्या कहता है। पाठ हमसे क्या मांग कर रहा है? और पुरातत्व के साक्ष्य से यह क्या है और कैसे स्पष्ट होता है? इस उदाहरण में, पाठ्य साक्ष्य, पुरातत्व को धन्यवाद।

फिर, यह इस बारे में है कि पुरातत्व और पुराने नियम और पुराने नियम की सामग्री संभावित रूप से बहुत जटिल घटनाओं और स्थितियों को स्पष्ट करने के लिए कैसे एकत्रित होती है। इसलिए, अपने अंतिम व्याख्यान में, हम इन व्यापक और संकीर्ण अभिसरणों और सोचने के लिए कुछ चीजों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे। मेरा मतलब है, मैं निश्चित रूप से किसी निश्चित विशेषज्ञता के दावे के साथ उस पुनर्निर्माण की पेशकश नहीं करता हूं, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मुझे लगता है कि यह एक ऐसी चर्चा है जो कठिन है और यह एक ऐसी चर्चा है जिसे होना ही चाहिए।

लेकिन हमारे आखिरी व्याख्यान में, हमें कई अलग-अलग चीजें मिलेंगी, हम तेजी से आग लगाने जा रहे हैं और हमें कई अलग-अलग खोजें मिलेंगी, और हम उनकी प्रकृति के बारे में बात करने जा रहे हैं अभिसरण.

यह डॉ. डेविड बी. श्राइनर हैं जो पॉन्डरिंग द स्पेड पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 3 है, डैन स्टेल और टेलर प्रिज्म, नैरो कन्वर्जेंस को बताएं।